

**M.A. (RURAL DEVELOPMENT)**

**Term-End Examination**

**June, 2012**

**03803**

**MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL  
DEVELOPMENT**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- 
- Note :** (i) *Attempt all the five questions.*  
(ii) *All questions carry equal marks.*  
(iii) *Answers to questions nos. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*
- 

1. What do you mean by Land Revenue Administration ? Describe major Land Revenue Administration systems of Medieval India. **20**

**OR**

Critically examine the impact of social, economic and political power structure on land reforms in rural India. **20**

2. Describe salient features of Pre - British agrarian structure and land tenure systems in South India. **20**

**OR**

Discuss in brief the salient features of 'Pardi Ghasia Satyagrah' in Gujarat. **20**

3. Answer *any two* of the following in about **400 words** each :
- (a) Describe land tenure systems of medieval India. **10**
  - (b) Explain the impact of colonialism on land tenure systems in India. **10**
  - (c) Critically examine the working of Bhoodan and Gramdan movements. **10**
4. Attempt *any four* of the following in about **200 words** each :
- (a) Indigo Revolt (1859 - 60) **5**
  - (b) Land Revenue System of the Marathas **5**
  - (c) Accelerated Mahaweli Development Project **5**
  - (d) Dominant Caste **5**
  - (e) Land for Tillers Freedom **5**
  - (f) Deccan Peasant Movement **5**
5. Write short notes on *any five* of the following in about **100 words** each :
- (a) Importance of land reforms **4**
  - (b) Zamindari System **4**
  - (c) Peasant Movement in Avadh **4**
  - (d) Sanyasi Revolt **4**
  - (e) Abolition of land intermediaries **4**
  - (f) Objectives of Bhoodan Movement **4**
  - (g) Comprehensive Agrarian Reform Programme (CARP) **4**
  - (h) Zabti System of Taxation. **4**

एम.ए. ( ग्राम विकास )

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. भू-राजस्व प्रशासन से आप क्या समझते हैं? मध्यकालीन भारत की प्रमुख भू-राजस्व प्रशासन प्रणालियों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

ग्रामीण भारत में भूमि सुधार पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक शक्ति संरचना के प्रभाव का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

2. दक्षिणी भारत में ब्रिटिश पूर्व कृषिक संरचना और भू-धृति प्रणालियों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

गुजरात में पारदी घसिया सत्याग्रह की प्रमुख विशेषताओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** के उत्तर (प्रत्येक लगभग 400 शब्दों में) दीजिए :
- (a) मध्यकालीन भारत की भूधृति प्रणालियों का वर्णन कीजिए। 10
- (b) भारत में भूधृति प्रणाली पर उपनिवेशवाद के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। 10
- (c) भूदान और ग्रामदान आन्दोलनों की कार्य प्रणाली का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 10
4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग 200 शब्दों में) दीजिए :
- (a) नील विद्रोह (1859 - 60) 5
- (b) मराठाओं की भूधृति प्रणाली 5
- (c) त्वरित महावेली विकास परियोजना 5
- (d) प्रभुत्व संपन्न जातियाँ 5
- (e) लैंड फार टिलर्स फ्रीडम (लैफ्टी) 5
- (f) दक्कन के किसान आन्दोलन 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए :

- |  |   |
|--|---|
| (a) भूमि सुधार का महत्व                | 4 |
| (b) जमींदारी व्यवस्था                  | 4 |
| (c) अवध में किसान आन्दोलन              | 4 |
| (d) सन्यासी विद्रोह                    | 4 |
| (e) भू -बिचौलियों का उन्मूलन           | 4 |
| (f) भूदान आन्दोलन के उद्देश्य          | 4 |
| (g) व्यापक कृषि सुधार कार्यक्रम (CARP) | 4 |
| (h) कर संबंधी जब्ती प्रणाली            | 4 |
-